मकर राशि

मकर राशि का स्वामी सूर्य है। इस राशि में जन्म लेने वाला जातक मध्यम कद, तीखे नयन-नक्श, सुन्दर मुखाकृति, पतली कमर वाले होते हैं। जातक गम्भीर, भावुक हृदय, संवेदनशील, उच्चाभिलाषी, सेवाधर्मी, क्षमाशील कम होते हैं। इन्हे बदले एवं शत्रुता की भावना का भुला पाना अत्यन्त कठिन होता है।

इस राशि के जातक जन्म स्थान छोड़ने के पश्चात भी पुनः वहीं पहुँचने को उत्सुक रहते हैं। हर कार्य में धैर्य से काम लेते हैं। कमाते बहुत हैं, पर पास में धन नहीं रुकता और हमेशा धन का अभाव बना रहता है। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा रहती है। पत्नी व आपके विचारों में असमानताएं आपके वैवाहिक जीवन को कटुतर बनाने में सहायक होते हैं। आपका राशि चिन्ह मगरमच्छ है। मगरमच्छ के आँसू वाली कहावत लोक प्रसिद्ध है, अन्दर से कुछ और बाहर से कुछ होते हैं। या तो ये एकदम से गोरे या बहुत अधिक काले होते हैं।

राशि स्वामी शनि वर्ष भर कन्या राशि में (नवमस्थ) होने से भाग्योन्नति व धन लाभ के मार्ग में बाधाएं पैदा होंगी। भाई-बन्धुओं से लड़ाई-झगड़े होंगे, आय के साधन सीमित रहेंगे। मानसिक तनाव बढ़ेगा। १४ जनवरी से १२ फरवरी के मध्य सूर्य का राशि पर संचरण होने से क्रोध व उत्तेजना अधिक रहेगी। उच्च लोगों से सम्बन्ध बढ़ेंगे। १३ जनवरी से शनि वक्री होगा, घरेलू तनाव एवं काम-काज में उलझनें बढ़ेंगी। १४ अप्रैल से १३ मई तक सूर्य के सुख स्थान पर आने से भूमि, सम्पत्ति, वाहन आदि सुखों में वृद्धि होगी। नौकरी में उन्नति होगी, आय के साधनों में वृद्धि होगी। मई में देवगुरु बृहस्पति आपकी राशि से दूसरे भाव में रहेंगे, धन लाभ के मार्ग बनेंगे। कैरियर में नयी नौकरी या ऑफर मिल सकते हैं। वाहन, भूमि, अन्य घर की वस्तुओं का भी क्रय कर सकते हैं।

मई से नवम्बर के बीच में किसी घनिष्ठ व्यक्ति से झगड़ा हो सकता है, अतः सावधान रहें। इस वर्ष शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा तो रहेगा, परन्तु घर में किसी सदस्य का स्वास्थ्य आपकी परेशानी का कारण बन सकता है। इस वर्ष धन संचय का बढ़ेगा। घर के जीर्णोद्धार आदि में व्यय कर सकते हैं। पारिवारिक सुख-शान्ति बनी रहेगी। सन्तति पक्ष के लिए वर्ष श्रेष्ठ है। स्त्री के सुख-स्वास्थ्य के लिए वर्ष कर पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं है, इसके बाद का समय अच्छा है। घर में नये मेहमान का आगमन हो सकता है। जहाँ एक नया सदस्य आयेगा वहीं किसी से बिछुड़ने की सम्भावना भी है। आप अपने परिश्रम से किसी भी परिस्थिति से बाहर निकल जाएंगे, संघर्ष के बाद ही विजय होगी। शनि की स्थिति दशम में तथा जून से नवम्बर तक बृहस्पति की स्थिति चतुर्थ भाव में रहेगी। इस वर्ष व्यापार के क्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं, आवास सम्बन्धी परिवर्तन हो सकते हैं। प्रेम-प्रसंगों में सफलता मिल सकती है। व्यय की प्रबलता रहेगी, व्यय पर नियन्त्रण रखें। छोटी-मोटी यात्राएं हो सकती हैं।

इस वर्ष के लिए विशेष उपाय- इस वर्ष के लिए निम्न उपाय करें-

1. प्रतिदिन सूर्य भगवान को ''ऊँ घृणि सूर्याय नमः'' मन्त्र से अर्घ्य दें।

2. निरन्तर सात शनिवार तक शनि मन्दिर में सरसों के तेल का दीपक जलायें।

3. पाँच शनिवार लोहे की कटोरी में छायापात्र करें तथा वह तेल आक के झाड़ में डालें।

4. जातक अपने कार्य के लिए योजना कृष्ण पक्ष की रात में बनाये तथा किसी को इस वर्ष जूती दान करे।